Hw 30.06.2021

Ch-3 - हंस और कछुआ

~~Write Summary~~

Hw

सारांश

मगध देश में फुल्लोत्पल नाम तालाब में संकट और विकट नाम के दो हंस रहते थे उनका एक कछुआ मित्र था। एक बार कुछ मछुवारे आये और सोचे कि यहाँ से कल मछली और कछुआ पकड़ेंगे। ये सुनकर कछुआ घबरा गया। वो बोला अपना योजना। फिर वो एक लकड़ी को पकड़

और हंश दोनो तरफ से
पकड़े और वे उड़ चले।
रास्ते में एक गाँव
आया, वहा बचे यह देखकर
चकीत होगये। एक बोली
यह नीची मीरा तो मैं
कैसे रखुगा, कोढ़ बोला
मैं उसे पकड़कर कहीं जाने
नही दूंगा। यह सुनकर
कछुऐ को घुसा आया,
वो बोलने केलीये मुँ खोला
और गीरके मरगाया।